महामारी के बाद ग्रामीण भारत में उभर सकते हैं उद्यमिता के नये अवसर

नई दिल्ली, 12 मई: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्चुअल स्पेस में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों, तकनीकी एवं प्रसाशनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने फेसबुक लाइव के माध्यम से भाग लिया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर एक विशेष व्याख्यान प्रोफेसर अनिल के. गुप्ता द्वारा दिया गया है। प्रोफेसर गुप्ता हनी-बी नेटवर्क, सृष्टि, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के संस्थापक हैं। वह सीएसआईआर के प्रतिष्ठित भटनागर फेलो भी रहे हैं।

प्रोफ़ेसर अनिल के. गुप्ता ने महामारी के बाद ग्रामीण भारत में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित विषय पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। प्रोफेसर गुप्ता ने कहा कि "कोविड-19 के कारण शहरों से ग्रामीण क्षेत्रों की ओर पलायन हो रहा है। इससे नये रोजगारों के सृजन के लिए विकेंद्रीकृत सूक्ष्म और लघु उद्यमों की स्थापना के लिए नई संभावनाएं उभर रही हैं। स्थानीय संसाधनों एवं संबंधित ज्ञान का प्रभावी ढंग से उपयोग इसमें अहम साबित हो सकता है।" उन्होंने कहा कि ग्रामीण से शहरी और ग्रामीण से ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखलाओं का विकास आज समय की मांग है।

केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और सीमैप द्वारा ग्रामीण सशक्तिकरण के लिए संस्थान की प्रौद्योगिकीयो एवं गतिविधियों की भी जानकारी दी।